सन्मार्ग 04 अप्रैल 2017

रैंकिंग में भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलूरू पहले स्थान पर

नई दिल्ली : भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलूरू ने देश में उच्च शिक्षा के संस्थानों की इस वर्ष सम्पूर्ण रैंकिंग में एक बार फिर पहला स्थान प्राप्त किया है जबकि आईआईटी मद्रास दूसरे और आईआईटी मुंबई तीसरे स्थान पर है। केन्द्र सरकार ने राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क की ओर से तैयार रैंकिंग,2017 जारी कर दी है। इस रैंकिंग को मानव संसाधन एवं विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने आज यहां जारी किया। गत वर्ष कई विवादों में घिरे जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छठे स्थान पर, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय दसवें, दिल्ली विश्वविद्यालय पन्द्रहवें, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय 19वें तथा जामिया मिल्लिया इस्लामिया 20वें स्थान पर है। देश के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों की रैंकिंग में भी भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलूरू पहले स्थान पर है जबकि जेएनयू इस श्रेणी में दूसरे तथा बीएचयू तीसरे स्थान पर है। दिल्ली विश्विद्यालय आठवें, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय 11वें एवं जामिया मिल्लिया इस्लामिया 12वें स्थान पर है। इस साल से कालेजों की रैंकिंग भी शुरू हुई है जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय का मिरांडा हाउस कालेज देश में पहले स्थान पर है। लोयला कालेज चेन्नई दूसरे स्थान पर और डीयू का श्री राम कालेज आफ कामर्स तीसरे स्थान पर है। रैंकिंग स्पर्धा में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रसिद्ध सेंट

(शेष पृष्ठ 09 पर)

आईआईटी मद्रास दूसरे और आईआईटी मुंबई तीसरे स्थान पर

ओडिशा के चार शैक्षिक संस्थानों को मिला स्थान

भुवनेश्वर : मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) द्वारा जारी एनआईआरएफ सूची में शीर्ष 100 संस्थानों में ओडिशा के भी चार शैक्षिक संस्थानों को स्थान मिला है। भुवनेश्वर स्थित शिक्षा ओ अनुसंधान यूनिवर्सिटी को इस सूची में 33वां, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी राउरकेला को 46वां, इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी, भुवनेश्वर को 66वां और कलिंग इंस्टीट्यूट आफ इंडस्ट्रीयल टेक्नोलाजी, भुवनेश्वर को 79वां स्थान मिला है। उक्त सूची में राज्य सरकार द्वारा संचालित किसी भी विश्वविद्यालय को स्थान नहीं मिलने पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से रोष व्यक्त किया गया है। अभाविप के राज्य सचिव श्रवण कुमार सेठी की ओर से यहां जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि इससे राज्य में उच्च शिक्षा की स्थिति का पता चलता है। यह लगातार दूसरा वर्ष है, जब राज्य सरकार द्वारा संचालित कोई भी संस्थान एनआईआरएफ सूची में जगह पाने में नाकामयाब रहा है।

प्रथम पृष्ठ के शेषांश

मुस्लिम महिलाएं भी सिर उठाकर स्वाभिमान के साथ अपने घर और समाज में जीना चाहती हैं वे अपने कुरान एवं संविधान सम्मत दोनों ही अधिकार चाहती हैं। गैर शरई तलाक प्रक्रिया महिलाओं के स्वाभिमान को ठेस पहुचाने वाला कृत्य है। सालाना कार्यक्रम में पारंपरिक आयोजन में देश प्रमुख चिश्तियां दरगाहों के प्रमुख मौजूद थे।

चुनाव आयोग पर...

ने भी ऐसा दावा किया है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि मुद्दा यह है कि यहां आशंका है, अंतत: लोकतंत्र लोगों के भरोसे पर आधारित होता है। लोगों को यह भरोसा होना चाहिए कि जिस माध्यम से वह अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं वह छेड़छाड़ से मुक्त हो। उन्होंने कहा कि यदि विभिन्न पक्षों में भरोसा ही नहीं है तो चुनाव आयोग को ईवीएम का पैरोकार नहीं बनना चाहिए। उसे यह अपनी तरफ से कहना चाहिए कि वह वैकल्पिक व्यवस्था पर विचार करेगा।

कोरोमंडल क्षेत्र पर...

की बैठक की तैयारियां कुछ इस तर्ज पर करनी शुरू कर दीं जिससे एक बड़ा राजनीतिक संदेश दिया जा सके। भाजपा एक ओर आंतरिक समस्याओं से घिरे बीजद पर दबाव बनाने का प्रयास कर रही है तो दूसरी ओर कमजोर वर्गों की महिलाओं को रसोई गैस उपलब्ध कराने की 'उज्ज्वला योजना', प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, कमजोर वर्गों के सशक्तिकरण एवं लोक कल्याण योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा प्रचार कर रही है। पार्टी इन योजनाओं के जरिए वैसा ही राजनीतिक लाभ उठाने के प्रयास में है जैसा उसे उत्तरप्रदेश में हाल में हुए विधानसभा चुनाव में हासिल हुआ।

मोदी सरकार कर...

प्रति पेज की कीमत भी 100 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। इसके अलावा अपील प्रक्रिया को भी पहले से बहुत कठिन बना दिया गया है। उन्होंने कहा कि नई नियमावली के अनुसार, आरटीआई आवेदनकर्ता की मृत्यु होने पर आरटीआई का आवेदन भी समाप्त हो जाएगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकार वास्तव में सरकारी अधिकारियों के कामकाज की जांच करने के जनता के अधिकार को समाप्त करना चाहती है। इसलिए वह ऐसे प्रयास कर रही है। इन से सरकार की नीयत का पता चलता है। उन्होंने कहा कि सरकार के इन कदमों सभी प्रगतिशील व्यक्तियों और संस्थानों को विरोध करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आरटीआई कार्यकर्ताओं पर पहले के मुकाबले हमले बढ़ रहे हैं जो चिंता का विषय है।

रैंकिंग में भारतीय...

स्टीफन कालेज, हिन्दू कालेज एवं दिल्ली स्कूल आफ इकोनामिक्स ने भाग नहीं लिया था। इस रैंकिंग की स्पर्धा में 3,319 संस्थानों ने भाग लिया था। राष्ट्रीय रैंकिंग फ्रेमवर्क गत साल से शुरू हुआ था। इस वर्ष रैंकिंग की दो और श्रेणियां शुरू हुई हैं जिनमें एक कालेजों की रैंकिंग भी है, गत वर्ष चार श्रेणियों में रैंकिंग हुई थी। सम्पूर्ण रैंकिंग, विश्वविद्यालयों की रैंकिंग, इंजीनियरिंग कालेजों और डिग्री कालेजों की रैंकिंग में 100 श्रेष्ठ संस्थानों की सूची जारी की गई जबकि प्रबंधन और फार्मेसी में 50-50 संस्थानों की सूची जारी की गई है। जावड़ेकर ने बताया कि सभी संस्थानों की रैंकिंग की पूरी सूची एक किताब के रूप में छापी जाएगी जो राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी 10 अप्रैल को जारी करेंगे।

उस दिन मुखर्जी द्वारा सर्वश्रेष्ठ संस्थानों को पुरस्कार भी प्रदान किया जाएगा। इंजीनियरिंग कालेजों की सूची में शुरू के सात स्थानों पर आईआईटी के संस्थान हैं जिनमें आईआईटी मद्रास पहले, आईआईटी मुंबई दूसरे तथा आईआईटी खड़गपुर तीसरे, आईआईटी दिल्ली चौथे, आईआईटी कानपुर पांचवें, आईआईटी रुड़की छठे तथा आईआईटी गुवाहाटी सातवें स्थान पर है। प्रबंधन संस्थाओं की सूची में शुरू के पांच स्थान भारतीय प्रबंधन संसथान (आईआईएम) के हैं। भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद पहले, आईआईएम बेंगलूरू दूसरे स्थान पर तथा आईआईएम कोलकाता तीसरे स्थान पर है। फार्मेसी संस्थानों में दिल्ली स्थित जामिया हमदर्द पहले स्थान पर है जबकि मोहाली स्थित राष्ट्रीय फारमेसुटिकल एजुकेशन एवं अनुसंधान संस्थान दूसरे तथा चंडीगढ़ स्थित यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ फार्मेसुटिकल साइंस तीसरे स्थान पर है। रैंकिंग स्पर्धा में इंजीनियरिंग के 1007, प्रबंधन के 542 संस्थानों, फार्मेसी के 316 संस्थानों के अलावा 535 डिग्री कालेजों ने भी भाग लिया था। इस बार रैंकिंग निर्धारण के लिए संस्थानों से पास करने वाले छात्रों को मिले रोजगार के अलावा संस्थानों की लोगों में छवि तथा लैंगिक समानता को भी ध्यान में रखा गया था। इस मौके पर मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री डा महेन्द्र नाथ पांडे के अलावा उच्च शिक्षा सचिव केके शर्मा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निवर्तमान प्रोफेसर वेद प्रकाश और नेशनल बोर्ड आफ एक्रेडेशन के प्रोफेसर सुरेन्द्र प्रसाद भी मौजूद थे।